भारत सरकार
सहकारिता मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1609
मंगलवार, 12 दिसम्बर, 2023/21 अग्रहायण, 1945 (शक) को उत्तरार्थ

राष्ट्रीय सहकारिता विश्वविद्यालय

†1609. श्री ज्ञानेश्वर पाटिल:
श्री प्रताप सिंह:
श्री लल्लू सिंह:
श्री तेजस्वी सूर्या:
श्री सुनील कुमार सिंहः

क्या **सहकारिता मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राष्ट्रीय सहकारिता विश्वविद्यालय की स्थापना के लक्ष्य और उद्देश्य क्या हैं;

(ख) क्या यह विश्वविद्यालय देश में सहकारिता आंदोलन को बढ़ाएगा और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) इस विश्वविद्यालय की वर्तमान स्थिति क्या है और कितनी धनराशि आवंटित और व्यय की गई है; और

(घ) इस विश्वविद्यालय से देश में तथा वैश्विक स्तर पर सहकारिता आधारित आर्थिक मॉडलों के विकास/ विकास को प्रभावित करने में क्या अपेक्षाएं हैं?

उत्तर
सहकारिता मंत्री (श्री अमित शाह)

(क) और (ख): सहकारिता के क्षेत्र में तकनीकी और प्रबंधन शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करने, सहकारी अनुसंधान और विकास को प्रोत्साहित करने तथा संबद्ध संस्थानों के नेटवर्क के माध्यम से देश में सहकारी आंदोलन को सशक्त करने के लिए सहकारिता मंत्रालय एक राष्ट्र स्तरीय सहकारी विश्वविद्यालय की स्थापना के प्रस्ताव पर कार्य कर रहा है।

(ग): उपर्युक्त उद्देश्य की प्राप्ति के लिए केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों, राज्य सरकारों, राष्ट्रीय सहकारी समितियों/संघों, सहकारी शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों, इत्यादि सहित विभिन्न हितधारकों के साथ गहन परामर्श किए गए जिससे कि प्रस्तावित विश्वविद्यालय की रूपरेखा विकसित की जा सके । यह विश्वविद्यालय अपने प्रचालनात्मक संबंधी व्यय के वहन में आत्म-निर्भर बनने का प्रयास करेगा ।

(घ): प्रस्तावित विश्वविद्यालय द्वारा संभावित रूप से सहकारी क्षेत्र के साथ समन्वयपूर्वक कार्य किया जाएगा और सहकारी क्षेत्र में प्रशिक्षित श्रमबल की स्थायी, पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए यह एक व्यापक, समेकित और मानकीकृत संरचना होगा जिससे कि मंत्रालय द्वारा किए गए विभिन्न पहलों का सफल कार्यान्वयन हो सकेगा । पेशेवर श्रमबल की आपूर्ति तथा मौजूदा कार्मिकों की क्षमता निर्माण सहकारी क्षेत्र को अर्थव्यवस्था के विभिन्न सेक्टरों में अधिक से अधिक योगदान करने में संभावित रूप से सहायक होगा।

*****